संचयी कक्षा परीक्षा

कक्षा IX

विषय हिंदी , कोर्स ए

सेट 1

6 प्रेमचंद के फटे जूते, 7 मेरे बचपन के दिन,11 रसखान, 12 कैदी और कोकिला

समय पूर्णांक

1 गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उसी बीच आनंद भवन में बापू आए | हम लोग तब अपने जेब-खर्च से हमेशा एक-एक, दो-दो आने देश के लिए बचाते थे और जब बापू आते थे तो वह पैसा उन्हें दे देते थे | उस दिन जब बापू के पास मैं गयी तो अपना कटोरा लेती गयी | मैंने निकलकर बापू को दिखाया | मैंने कहा, 'कविता सुनाने पर मुझको यह कटोरा मिला है|' कहने लगे, 'अच्छा, दिखा तो मुझको |' मैंने कटोरा उनकी ओर बढ़ा दिया तो उसे हाथ में लेकर बोले, 'तू देती है इसे ?' अब मैं क्या कहती ? मैंने दे दिया और लौट आयी | दुःख यह हुआ कि कटोरा लेकर कहते, कविता क्या है ?पर कविता सुनाने को उन्होंने नहीं कहा | लौटकर अब मैंने सुभद्रा जी से कहा कि कटोरा तो चला गया |

क. लेखिका और उनकी अन्य सहपाठी जेबखर्च से पैसे बचाकर किसको देती थी? 2
ख. लेखिका को चांदी का कटोरा किस लिए मिला था ? 2
ग. लेखिका ने चाँदी का कटोरा किसे दिखाया ? 2
घ. चाँदी का कटोरा को देने के बाद लेखिका को दुःख क्यों हुआ था? 2

2 पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

काननि दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहनी तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गैहै तौ गैहै।।
टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोउक कितनो समुझैहै।
माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।।

क. गोपियाँ कानों में उँगली देकर क्यों रहना चाहती हैं?
ख. गोपियाँ कृष्ण की बाँसुरी क्यों नहीं सुनना चाहतीं?
ग. गोपी से क्या नहीं संभाला जाता और क्यों?

संचयी कक्षा परीक्षा

कक्षा IX

विषय हिंदी, कोर्स ए

सेट 2

6 प्रेमचंद के फटे जूते, 7 मेरे बचपन के दिन,11 रसखान, 12 कैदी और कोकिला

नोट: 2 अंक के प्रश्नों का उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए-

निर्देश: सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

1. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए। 2

2. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी। 'कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर बताइए| 2

3 .किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों? 'कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर बताइए| 2

4. गोपियाँ कृष्ण की मुरली से ईर्ष्या क्यों करती हैं? 2

5.काव्य पंक्तियों में निहित अलंकार स्पष्ट कीजिए -

- या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी। 1
- टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोउक कितनो समुझैहै। 1
- कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं। 1
- कालिंदी कूल कदंब की डारन 1

संचयी कक्षा परीक्षा

कक्षा IX

विषय हिंदी, कोर्स ए

सेट 2

6 प्रेमचंद के फटे जूते, 7 मेरे बचपन के दिन,11 रसखान, 12 कैदी और कोकिला

उत्तर संकेत

1.वह गोपी को श्री कृष्ण के मोहक रुप को धारण करने का आग्रह करती है जिसमें श्री कृष्ण पीताम्बर डाल हाथ में लाठी लिए हुए सिर पर मोर मुकुट व गले में रत्तियों की माला पहने हुए रहते हैं। उसी रुप में वह दूसरी गोपी को देखना चाहती है ताकि उसके द्वारा धारण किए श्री कृष्ण के रुप में वह उनके दर्शनों का सुख प्राप्त कर सके।

2. कोयल की कूक सुनकर कवि को लगता है कि कोयल कोई संदेश लेकर आई है। संदेश विशेष है तभी वह अर्द्धरात्रि में आई है नहीं तो सुबह की प्रतीक्षा करती।

3. अंग्रेज़ी शासन की तुलना कवि ने अंधकार के प्रभाव से की है क्योंकि अंग्रेज़ी सरकार की कार्य प्रणाली अंधकार की तरह काली है। यहाँ अंधकार अन्याय का प्रतीक है क्योंकि अंग्रेज़ों की शासन प्रणाली अन्यायपूर्ण थी।

4 गोपियाँ कृष्ण का रूप धारण करने को तैयार हैं लेकिन उनकी मुरली को अपने होठों से लगाने को तैयार नहीं हैं। ऐसा इसलिए है कि वह मुरली गोपियों को किसी सौतन की तरह लगती है जो सदैव कृष्ण के अधरों से लगी रहती है। इसीलिए वे कृष्ण की मुरली से ईर्ष्या करती हैं|

5

- या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी। 1 यमक अलंकार
- टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोउक कितनो समुझैहै। 1 अनुप्रास अलंकार
- कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं। 1 अनुप्रास अलंकार
- कालिंदी कूल कदंब की डारन 1 अनुप्रास अलंकार

संचयी कक्षा परीक्षा

कक्षा IX

विषय हिंदी, कोर्स ए

सेट 3

6 प्रेमचंद के फटे जूते, 7 मेरे बचपन के दिन,11 रसखान, 12 कैदी और कोकिला

नोट: 2 अंक के प्रश्नों का उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए-

1.हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्दचित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं। 2

2 जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है' ? 'मेरे बचपन के दिन' पाठ के आधार पर लिखिए|

3. काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क्या? देख न सकती जंजीरों का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों? ये ब्रिटिश राज का गहना।
कोल्हू का चर्रक चूं जीवन की तान।
गिट्टी पर अंगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूआ
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलानेवाली
इसलिए रात में गजब ढ़ा रही आली?

क. कवि ने गहना किसे कहा है और क्यों? 2

ख. 'हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ'। आशय स्पष्ट कीजिए| 2

ग. कवि कोयल के रात में कूकने का क्या कारण बताता है? 2

संचयी कक्षा परीक्षा

कक्षा IX

विषय हिंदी, कोर्स ए

सेट 3

6 प्रेमचंद के फटे जूते, 7 मेरे बचपन के दिन,11 रसखान, 12 कैदी और कोकिला

उत्तर संकेत

1 प्रेमचंद के व्यक्तित्व की विशेषताएँ -

- प्रेमचंद का व्यक्तित्व बहुत ही सीधा-सादा था, उनके व्यक्तित्व में दिखावा नहीं था।
- प्रेमचंद एक स्वाभिमानी व्यक्ति थे। किसी और की वस्तु माँगना उनके व्यक्तित्व के खिलाफ़ था।
- इन्हें समझौता करना मंजूर नहीं था।
- ये परिस्थितियों के गुलाम नहीं थे। किसी भी परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना इनके व्यक्तित्व की विशेषता थी।

2 जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?' **मेरे बचपन के दिन' पाठ के आधार पर लिखिए|**

उत्तर: यहाँ पर लेखिका ने दो संप्रदायों के बीच के प्रगाढ़ संबंध को दिखाया है। उस जमाने में सांप्रदायिकता की कोई समस्या नहीं थी। लेकिन आजादी के वर्षों के आसपास सांप्रदायिकता की भावना बहुत बढ़ गई थी। ऐसे माहौल में किसी हिंदू का किसी मुसलमान के साथ मेलमिलाप बहुत बड़ी बात हो चुकी थी। इसलिए लेखिका को जवारा नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंध किसी सपने जैसा लगता है।

3

क. कवि ने गहना किसे कहा है और क्यों? 2

कवि ने हथकड़ियों को गहना कहा है जिसे ब्रिटिश राज में आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सैनानियों को पहनाया जाता है|

ख. हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।

उत्तर: इस पंक्ति में कवि ने कैदी पर हो रहे अत्याचार के बारे में लिखा है। कैदी से कोल्हू चलवाया जाता था। दूसरे शब्दों में कैदी से किसी बैल की तरह काम लिया जाता था। लेकिन ऐसी स्थिति में भी कैदी के अंदर से देशभक्ति की भावना मिट नहीं पाती है। उसे लगता है कि कोल्हू चलाकर वह ब्रिटिश हुकूमत की अकड़ को मिटा रहा है।

ग. कवि कोयल के रात में कूकने का क्या कारण बताता है?

कवि कोयल के रात में कूकने का क्या कारण बताता है कि दिन में करुणा की भावना नहीं जागती है लेकिन रात के समय दुःख और पीड़ा का अधिक अहसास होता है | इसलिए कोयल रात में कैदियों का ढ़ाढ़स बंधाने आई है।